4. जैन आचार-मीमांसा की मुख्य अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए । (18)

Explain the key concepts of Jain ethics.

अथवा

OR

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैनमत की प्रासंगिकता का उल्लेख कीजिए ।

Explain the relevance of Jainism in the present context.

5. किन्ही **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (6 ×3 = 18)

Write Short notes on **any three** of the following

(a) अहिंसा (Non-violence)

(b) स्यादवाद (syādvāda)

(c) आत्मा (ātmā)

(d) ईश्वर (Īshvara)

(e) पञ्चमहाव्रत (Pañcamahāvrata)

(f) रत्नत्रय (Ratnatraya)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6281 **H**

Unique Paper Code : 2135000011

Name of the Paper : Introduction to Jain Philosophy

Name of the Course : **Common Prog. Group : GE Sanskrit**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer all questions.
3. Unless otherwise required in a question, answer should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. जैन दर्शन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए । (18)

Highlight the historical background of Jain Philosophy

अथवा

OR

जैन दर्शन की मुख्य अवधारणाओं पर प्रकाश डालिए ।

Throw light on the key concepts of Jain philosophy.

2. भारतीय दर्शन में जैन दर्शन के योगदान के विषय में विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए । (18)

Write in detail about the contribution of Jain philosophy to Indian philosophy.

अथवा

OR

जैन दर्शन की तत्त्व मीमांसा का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

Give a detailed description of the metaphysics of Jain philosophy.

3. जैन दर्शन के मूल सिद्धान्तों का विस्तृत वर्णन कीजिए । (18)

Describe the basic principles of Jain philosophy in detail.

अथवा

OR

जैन दर्शन के अनुसार आत्मा एवं जगत का स्वरुप क्या है? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए ।

What is the nature of Ātmā (Self) and the Jagat (Universe) according to Jain philosophy? Explain in Detail.